# मिशन शिक्षण संवाद

# दहेज प्रथा

# एक अभिशाप

## जागरूकता गीत

## संकलन

## काव्यांजलि टीम

# मिशन शिक्षण संवाद

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

01

### तर्ज़- सावन का महीना पवन करे शोर

बेटी तुम पढ़ लिखकर बनो इतनी होनहार।
सहना न पड़े माँ-बाप को दहेज प्रथा का भार।।
बेटी तुम .....

एक पिता का जीवन पैसे जोड़ने में गुजर जाता है,
दहेज प्रथा का भय उसको दिन रात सताता है।
जमीन से हवा तक बेटियाँ कर रहीं उड़ान,
बेटी तुम भी पढ़कर बनो इतनी महान।।
बेटी तुम पढ़ .....

**दहेज एक अभिशाप है**

नई शमां अब तुम जला लो,
इस अंधेरे से निकलकर नई दुनिया बसा लो।
उठाना न पड़े तुमको कोई नुकसान,
बेटी तुम पढ़कर बनो इतनी बलवान।।
बेटी तुम पढ़ लिखकर बनो इतनी होनहार।
सहना न पड़े मां बाप को दहेज प्रथा का भार।।

गुलशन जहां (प्र०अ०)
प्रा०वि०कटरा मनेपुर
भाग्यनगर, औरैया

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

02

तर्ज़– सजना है मुझे सजना के लिए

खत्म करना है हमें,
दहेज के अभिशाप को-2
जागरूक करें अपने समाज को,
अब मिटाएं इस अभिशाप को।
खत्म करना है हमें.....

बेटी के पैदा होते ही पिता की चिंता,
बढ़ती ही जाती है नहीं घटती कभी।
उसे करना दहेज का प्रबन्ध है,
करना बेटी का सम्बन्ध है।।
खत्म करना है हमें.....

लड़का और लड़की है दोनों रज़ामंद,
एक दूसरे को कर लिया है पसंद।
पर दहेज की भारी डिमाण्ड है,
करना मुश्किल इंतज़ाम है।।
खत्म करना है हमें....

अदा जो कर पाता वो उसका मोल,
ब्याह देता अपनी बेटी अनमोल।
कब तक दर्द सहेंगी ये बेटियाँ,
खुद अपना दहेज हैं बेटियाँ।।

खत्म करना है हमें.....

उषा देवी (प्र०अ०)
प्रा०वि०तलकापुर
हथगाम, फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

03

## तर्ज़- भोजपुरी

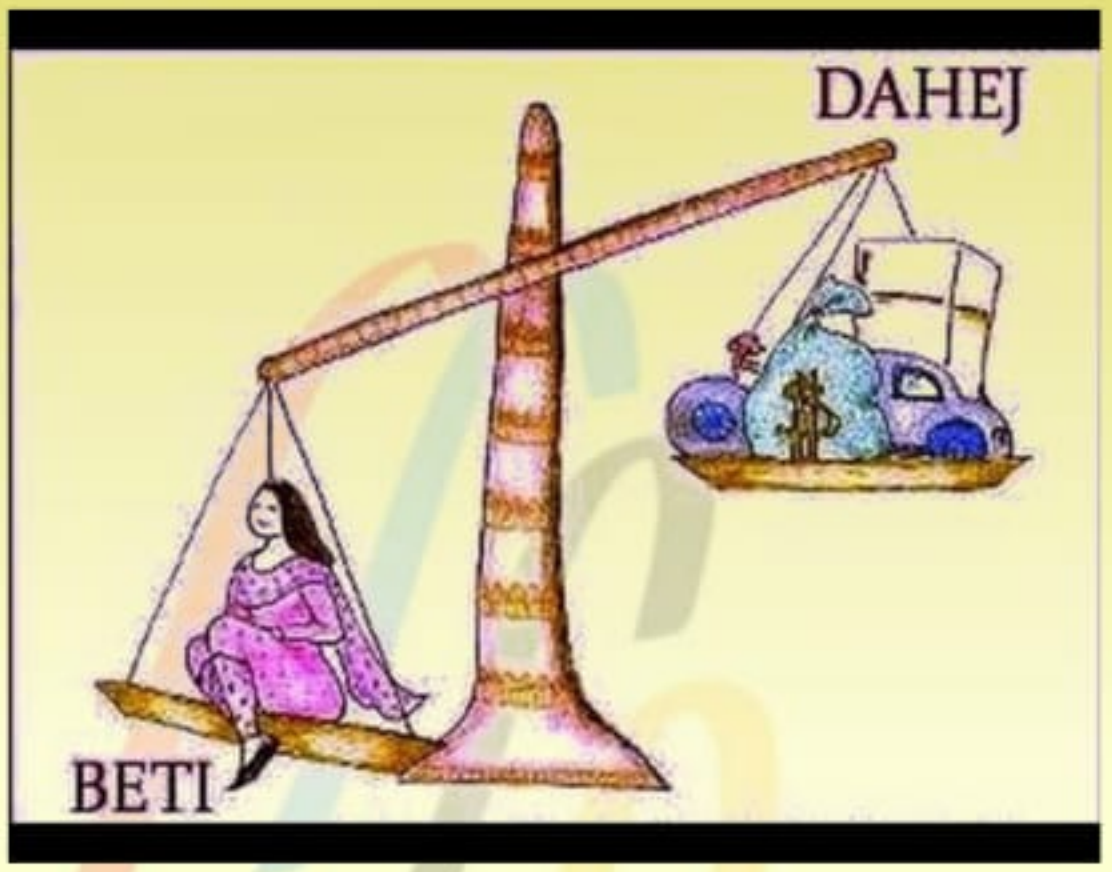


बेटी जन्म में छाई अन्हरिया,
मायूसी बदरिया छा गइली।
बेटी क बरही लागे बिपत,
बेटा में बसुरिया बाजे ली।।

ए निर्मोही दहेज़ दानव!
देसवा क कदरिया का भइली।
बेटा पढ़ेला कान्वेंट में,
बेटी टुटही पटरिया पा गइली।।
दहेज़ के चक्कर भारी काहे,
दुतरफा नज़रिया भा गइली।।
बेटी जनम में.....

ले थाल भाई के बहना,
जब भी दुअरिया आवेली।
भाभी के हियरा चोर बसल,
बिटिया के कदरिया का भइली।।
बेटी के ब्याहे बना बिचारा,
अब आंसू नज़रिया धारेलि।
बेटा ब्याह में मांगे बुलट,
बिटिया के कदरिया का भइली।।
बेटी जनम में.....
मायूसी बदरिया.....

डॉ०मन्नू यादव
प्रा०वि०सरसा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

04

तर्ज़-रफ़्ता-रफ़्ता वो मेरे

दहेज दानव हो गया है,
इंसानियत भी खो गया है।
हैवानियत का बीज कैसा,
सभ्यता ने बो दिया है।।

माँ, बहन,बेटी यही हैं,
सृष्टि की जननी यही हैं।
फिर भी ऐसे लोभियों को,
जाने क्या ये हो गया है।।

चारों तरफ छाया कुहासा,
ज़िन्दगी भी है धुआँ-सा।
जैसे वो आई जहाँ में
चेहरा रुआँसा हो गया है।।

पढ़ रही सब बेटियाँ हैं,
बढ़ रही सब बेटियाँ हैं।
सपने सँजोती बेटियाँ पर,
मुस्कान इनका खो गया है।।

क्रूरता का ये चरम है,
आती नहीं कोई शरम है।
लाज का चादर ये जैसे,
तान कर के सो गया है।।

जाने ये कैसी प्रथा है,
बेटियाँ सहती व्यथा हैं।
अश्रु में बहती कथा है,
तंत्र पंगु अब हो गया है।।

डॉ० प्रभुनाथ गुप्त
'विवश'(स०अ०)
पूर्व मा०वि० बेलवा खुर्द
लक्ष्मीपुर, महाराजगंज

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

05

## तर्ज़-बाबुल का यह घर बहना

दहेज जैसी बुराई को,
इस जहाँ से मिटाना है।
सारे जतन करके,
इसको दूर भगाना है।।

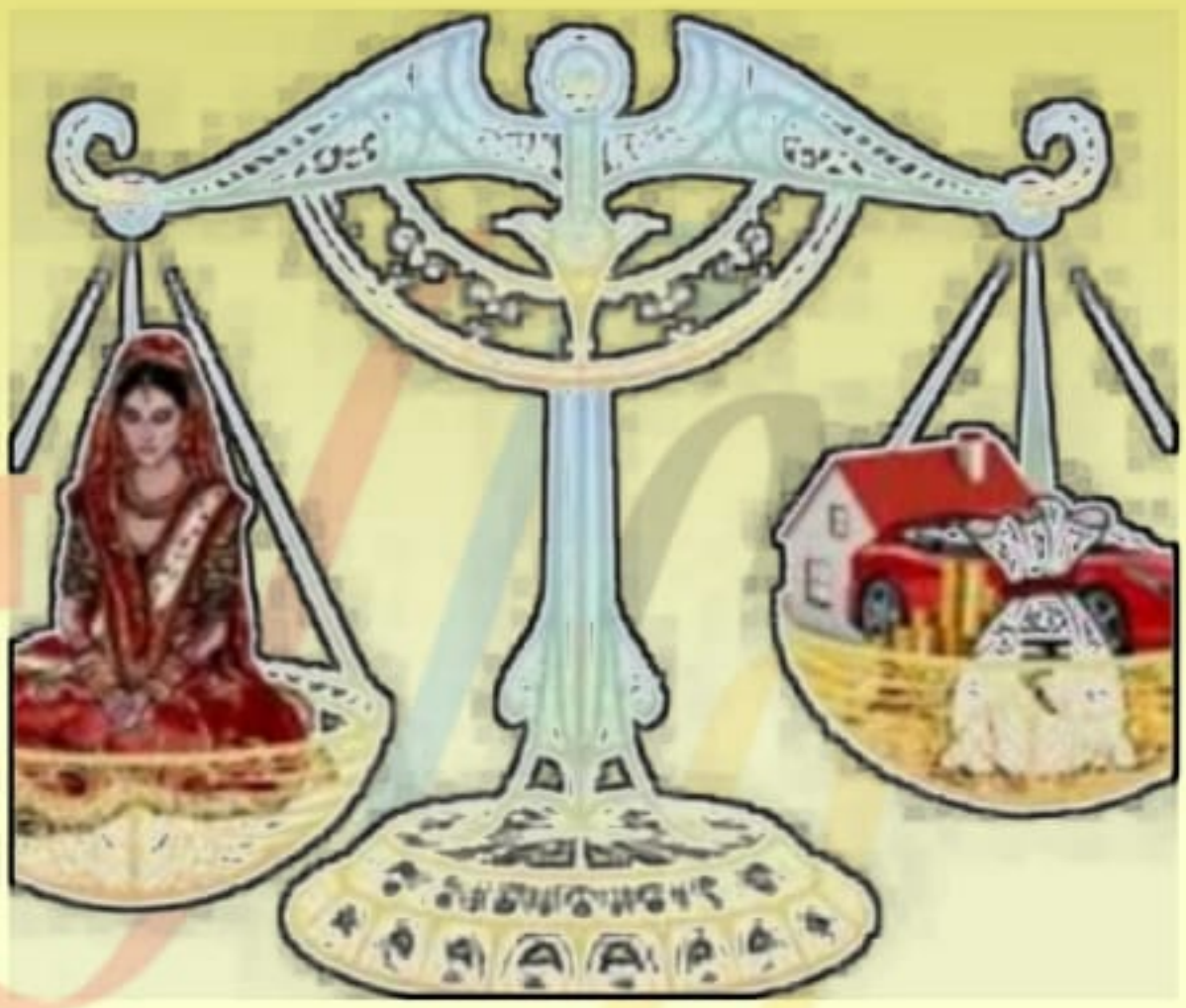

इसके लालच में आकर,
लाखों घर बर्बाद हुए।
पिता और माता की,
इस चिंता को मिटाना है।।

कन्या होना अभिशाप नहीं,
इस बात को बताना है।
मानवता की भावना को,
हमें जग को सिखाना है।।

ईश्वर ने एक अमूल्य निधि,
एक कन्या बनाई है।
न पैसों से तौलो उसको,
उसका महत्व समझाना है।।

दहेज जैसी बुराई को,
इस जहाँ से मिटाना है।
सारे जतन करके,
इसको दूर भगाना है।।

प्रियदर्शिनी तिवारी (प्र०अ०)
संवि०वि० कुआंडीह
मंझनपुर, कौशांबी

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

06

**तर्ज़-यार हमारी बात सुनो**

कभी ना लेना इस दानव का नाम सुनो,
कर देता ये दो घर को बर्बाद सुनो।
इस दानव का नाम दहेज कहलाता है,
बेटी के बाप का सब कुछ ये ले जाता है।।
कलंक बन गया ये समाज पर आज सुनो,
कर देता.....

बेटे वाला बेटे की कीमत लगवाता है,
बेटी की शिक्षा का कोई महत्व न रह जाता है।
बिक जाता है बाप एक सरेआम सुनो।।
कर देता.....

ठेकेदार समाज के गर कहलाते हो,
कुम्भकरण बन कर के क्यों सो जाते हो।
कर दो खत्म समाज से ये अभिशाप सुनो।।
कर देता.....

दहेज से ज्यादा शिक्षा आज जरूरी है,
बेटी पिता की आज न कोई मजबूरी है।
निर्भर आज बनाओ तुम बिटिया को सुनो।।
कर देता.....

कभी न लेना इस दानव का नाम सुनो,
कर देता ये दो घर को बर्बाद सुनो।

रेनू रानी (स०अ०)
पू०मा०वि०किशनपुर,
सिकंदराबाद, बुलंदशहर

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

07

तर्ज़- है प्रीत जहां की रीति सदा

है दहेज एक असाध्य रोग,
मैं इसकी कथा सुनाता हूँ।
कन्या जिनके घर में जन्मी,
उनका संताप बताता हूँ।।

गरीबी-अमीरी का भेद नहीं,
सबको ही पीड़ित करती है।
जो जैसा होता है धन से,
उसको उतना दुःख देती है।।

आ जाता जीवन का मध्यकाल,
कन्याएं बिन ब्याही रहतीं।
जो नहीं दहेज जुटा पाते,
तो घर में सिसक-सिसक रोतीं।।

यह एक दानवी है ऐसी,
जिसने कई घर खाए हैं।
इस कारण कई बेटियों ने,
अपने ही प्राण गवाए हैं।।

इस राक्षसी की रक्त प्यास,
निस दिन ही बढ़ती जाती है।
सभ्य समाज के मुख पर,
कालिख सी पुतती जाती है।।

अवधेश सिंह (स०अ०)
उ०प्रा०वि०बराकेशव
मोहम्मदाबाद, फर्रुखाबाद

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

08

तर्ज़- मिलने की तुम कोशिश करना

दहेज को तुम सुख ना समझना,
दहेज कभी ना लेना,
दहेज तो खत्म हो जाता है।

दहेज है कितनी मौतों का कारण,
तू दहेज से दूरी बनाना।
दहेज तो बस दिखावा है सब,
साथ में कभी ना जाना।
लेकिन बिन दहेज की बहुओं को,
कभी ना मारने की कोशिश करना।
दहेज तो खत्म हो जाता है।।

होती है बेदर्द बहुत ही,
इस दुनिया में मौतें।
मुश्किल कर देती हैं जीना,
माँ-बाप की दी कसमें।
दहेज का गुमान लेकर,
मस्ती में ना डूब जाना।।
दहेज तो खत्म हो जाता है।।

निशा देवी (स०अ०)
प्रा०वि०-दिखितवारा
नरैनी, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन संवाद शिक्षण शिक्षक का सम्मान।

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत 09

तर्ज-
भोजपुरी पारम्परिक गीत

केहू के दुवरिया जनि जइहा मोरे बाबा,
चाहे हम रहीं न कुवांर हो।
चरनी बिकाइ गईल,खेतवो धराइल,
बचल इहे घरवा दुवार हो।
इहे अब आपन ठाँव हो।। केहू के.....

भउजी के गहना भी गिरवी रखल बा,
चुनरी अब बाटे छांव हो।
रूपवा न देखे कोई गुणवा न देखे,
नहीं देखे 'ममता' के भाव हो।

'श्यामला' के विदाई में दहेज न दियाईल,
गइली जरावल धिया आज हो।
माई मोर रोवेली फाटेल करेजवा,
देखि श्यामला के लाश हो।

दहेज की बलि चढ़ि गईली मोरी रनिया,
फूटे अंसुवन के धार हो।। केहू के...

घरवा में रोवेली कमला अरु विमला,
भउजी रोवेली धई किवाड़ हो।
भइया हो भइया सुना सुनी मोरे बाबा,
एक अरज हमरो आज हो।

चारि गो कहरवा बोलाव मोरे विरना,
चरना दियो आज साज हो।

ताहि चरना हमनी के विदा कर दिहा,
होइ जाइ मुक्ति अहिवात से।
केहू के...............

रचना- ममताप्रीति श्रीवास्तव
(स०अ०)
प्रा० वि०हरपुर
सहजनवा,गोरखपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

10

तर्ज-
फूल तुम्हे भेजा है खत में

माँग दहेज की कभी न करना,
बेटा बिन दहेज ब्याहो।
भारत के हे जन-जन सुन लो,
दहेज कुप्रथा को मिटाओ।
माँग.....

दहेज लेना कानूनी अपराध,
भी माना जाता है।
फिर भी न संभले हर कोई ,
दहेज को लेना चाहता है।
माँग.....

आओ मिलकर दूर करें हम,
समाज की ऐसी बुराई को।
बना दें अपना भारत सुंदर,
फैले चहुँदिश अच्छाई हो।
माँग .....

घर लाएँ अपने जो बहू को,
बेटी मान के ही लाएँ।
दो कुल का सम्मान है बेटी,
इनको खुशियाँ दे जाएँ।
माँग.....

प्यार का आँचल इनके सिर पर,
ममता रूपी बनाए रहें।
करें बुराई का हम अंत,
दहेज को ना अपनाए रहें।
माँग.....

रचना- विजय सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट वि०हरेहूँ ,
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

11

तर्ज-
ज़िन्दगी की न टूटे लड़ी

दहेज की जो कुरीति चली,
समाज की है , विफलता बड़ी।
लेना इसको नहीं है सही,
देने वाला भी पापी कम नहीं।

ऐसे रिश्तों का जुड़ना भी क्या,
जिसकी नींव में सौदा ही हो।
बेटी पढ़कर ही आगे बढ़ी,
लालची घर में कुढी और जली।।
दहेज की.....

बनकर देखो संबल तुम कभी,
बेटी ऊँचे से ऊँचा उड़ी।
छोड़ो अब तो, ये प्रथा है बुरी,
दे दो शिक्षा , बनाओ बेटी को धनी।।

दहेज की जो कुरीति चली।
समाज की है , विफलता बड़ी।।

रचना- निहारिका शर्मा
प्रा.वि.महमूदपुर,तिगरी-प्रथम
भगतपुर, टांडा,मुरादाबाद

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

12

तर्ज-
होंठो से छू लो तुम..

रो-रो के कहता मन,
कैसे बेटी ब्याहे हम।
इस दहेज के दानव को,
कैसे दूर भगाएं हम।।

लड़के वालों का अब,
अभिमान नहीं डोले।
और बिन दहेज के वे,
एक बात नहीं बोले।
किस दर पे जाएं हम।
कहाँ पाएं इतनी रकम।।
रो -रो के.....

नगदी में लाख रुपिया,
टी.वी,फ्रिज,चार पहिया।
कैसी बुरी रीति भइया,
बेटी संग चाही रुपिया।
क्या पाप है दुनिया में,
बेटी को देना जनम।। रो-रो के.....

रचना- प्रतिभा पटेल(प्र.अ.)
कंपोजिट वि.लुडहा
क्षेत्र व जनपद-चित्रकूट

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

13

### तर्ज-जैसे रोज आवेलू तू टेर सुनके

कीमत मांगे जो पिता नहीं व्यापारी,
उस घर बेटी ना देना वो है अत्याचारी।

लूट गए देश को जैसे अंग्रेज हो,
वैसे ही लूट रहा दानव दहेज हो।
मांगे जो दहेज सच में है वो भिखारी,
उस घर बेटी ना देना वो है अत्याचारी।।

सुख चैन माँ-बाप का मुरझाये जो,
फूल सी ज़िंदगी में आग लगाये जो।
घर नही जंगल वहाँ बैठे है शिकारी,
उस घर बेटी ना देना वो है अत्याचारी।।

झगड़ा तनाव सब दहेज ही कराता है,
सुख और सुहाग पे पत्थर बरसाता है।
प्रेम बढ़े कैसे जहाँ चिंता और लाचारी,
उस घर बेटी ना देना वो है अत्याचारी।।

भ्रूण हत्या होना दहेज का कारण है,
बेटियों की संख्या कम इसका उदाहरण है।
सुखी घर आँगन वहीं जहाँ खुश नारी,
उस घर बेटी ना देना वो है अत्याचारी।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

अरुण कुमार यादव
उ०प्रा०वि० बरसठी
बरसठी, जौनपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

14

### तर्ज़-मैं कभी बतलाता नहीं

मैं कभी कह पाई नहीं पर,
अपने साये से भी डरती हूँ मैं माँ।
यूँ तो थी तेरी लाड़ली मैं पर,
अब तो पल-पल मरती हूँ मैं माँ।
बचा लो मुझे मेरी माँ..मेरी माँ

इन लोभियों के बीच यूँ ना छोड़ो मुझे,
घुट-घुट के मर ही न जाऊँ माँ।
रख लो अपनी ममता की छाँव में,
और कुछ न माँगूं मैं तुझसे माँ।
बचा लो मुझे मेरी माँ...
मेरी माँ....

जब भी कभी याद आता है मुझे,
वो आँगन,वो झूला,
वो थपकियाँ तेरी माँ।
मेरी नजरें ढूँढें वो घर बिक गया,
मेरी खुशियों की खातिर जो माँ।
जख्मों के निशां दिखा पाती नहीं,
हर आँसू पी जाती हूँ मैं माँ।
जिस्म भी अब सह पाता नहीं,
हर आहट से सहम जाती हूँ मैं माँ।
बचा लो मुझे मेरी माँ,
हाँ बचा लो मुझे मेरी माँ.....

मुक्ता सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि०खुर्मानगर
खजुहा, फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

15

### तर्ज़- जिंदगी की न टूटे लड़ी

समस्या दहेज की बहुत बड़ी,
हर माँ-बाप के सम्मुख खड़ी--2
अनपढ़ों को दोष देना भी क्या,
पढ़े लिखों की माँगे बड़ी।।
समस्या दहेज .....

झूठे रिवाजों का क्या फायदा,
जिन रिवाजों से बेटी दुःखी।
दहेज विवाह को करना भी क्या,
जिसमें बेटी है घुट-घुट मरी।।
समस्या दहेज की.....

पद प्रतिष्ठा है जिनकी बड़ी,
माँगे उनकी हैं उतनी बढ़ीं।
अब तक साक्षर तो बहुत हुए,
आयी शिक्षित होने की घड़ी।
समस्या दहेज की...

लाड़ली अपने माँ-बाप की,
कैसे जाएं वो उनकी गली।
मिलकर लड़ने की आयी घड़ी,
कुप्रथाओं की तोड़ें लड़ी।।
समस्या दहेज की....

दीक्षा गुप्ता(इ०प्र०अ०)
पू०मा०वि०न्यामतपुर
ठाकुरान,कमालगंज,
फर्रूखाबाद

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

16

### तर्ज़-देख तेरे इंसान की हालत

आज भरी दुनिया में, तन्हा उदास हूँ,
न जाने आज भी, मुझको तेरी आस है।
याद करती हूँ जब मैं वो सुनहरी यादें,
शहनाईयों के बीच में मेरी सपनों की सेज।
पलकें बिछाएं बैठी थी किसी की आस,
न जाने आज भी, मुझको तेरी आस है।
बेटी किसी की जब मैं थी, ना कोई उलझन थी,
जब बहू बनकर आई हूँ, दिल में एक डर है आज।
घुट-घुट कर मरने को तैयार, क्या कसूर है मेरा,
न जाने आज भी, मुझको तेरी आस है।
हाय रे औरत तूने क्या किस्मत पाई,
सिहर उठती हूँ उस मंजर को देखकर आज।
कहीं कल मेरी बारी न हो,
क्योंकि लाई नहीं मैं भी नोटों की थाली साज।
न जाने आज भी, मुझको तेरी आस है।
आज भरी .....

अंजना श्रीवास्तव (स०अ०)
पूर्व मा०वि० पिपरोदर
पहाड़ी, चित्रकूट

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

17

### तर्ज़-होंठो से छू लो तुम....

मैं आज सुनाती हूँ अपने जीवन का गीत ,
न कह सकी कभी ,न समझ सका कोई मीत।
मैं आज.....
जीवन में धरती के आँगन में खुली आँखें ,
मिला बाबुल का अँगना ,मिली प्यार भरी बाँहें।
मैं आज.....
जैसे फूल खिलें ,भाई -बहनों का संग मिला ,
हँसना-रोना सीखा, कैसा जीवन रंग मिला।
मैं आज.....
इक दिन ऐसा आया ,मेरा जीवन बदल गया,
बाबुल का अँगना छोड़ ,मुझे दूजा अँगना मिला।
मैं आज.....
मैनें देखा नयनों से,दहेज का रंग ऐसा,
पैसों की लगी बोली ज़मीर बिका जैसा।
मैं आज.....
जिसे स्वर्ग समझ कर मैं,अँगना सजाया था,
सौदागरों ने उसको पैसे का बनाया था।
मैं आज.....

शालिनी सिंह (स०अ०)
प्रा०वि०जानकीपुर
सिराथू,कौशाम्बी

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

18

### तर्ज़-ब्रज लोकगीत लाँगुरिया

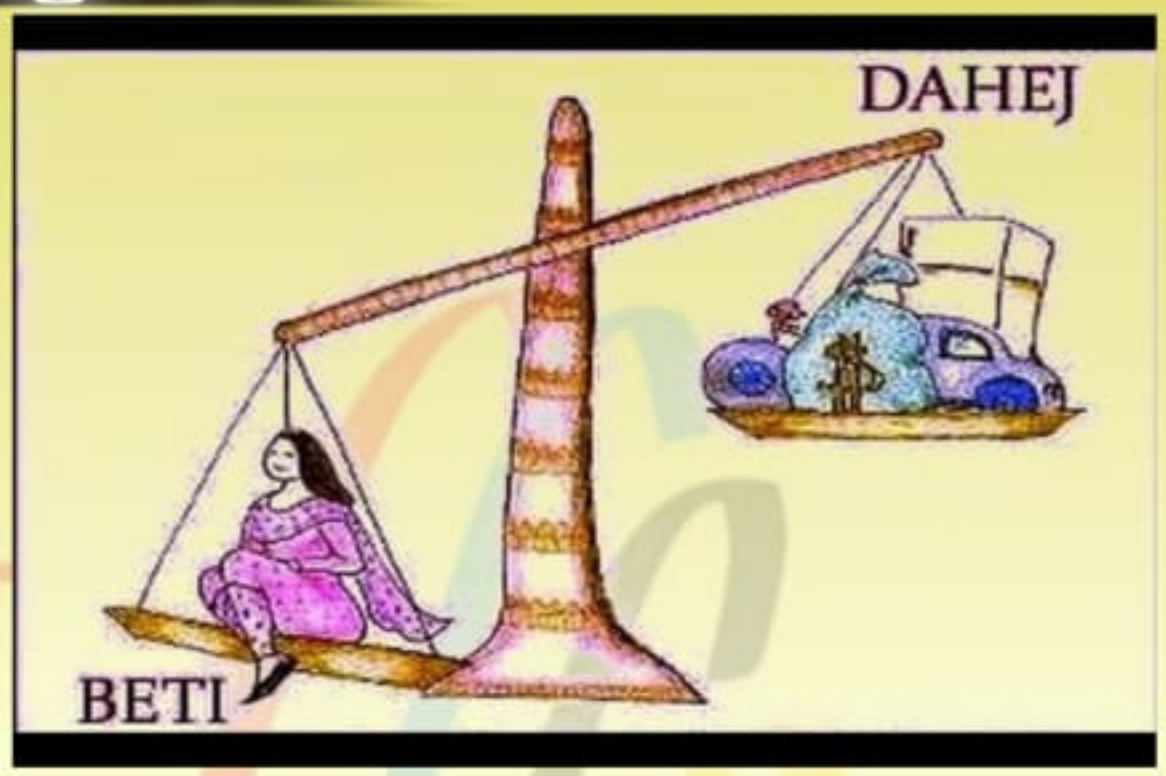


दहेज है बहुत ही बुरी बलाय,
कबहुँ मति लईयो लाँगुरिया।
दहेज है.....

लईयो लाँगुरिया, कबहु मत...
दहेज है बहुत ही बुरी बलाय,
कबहुँ मति लईयो लाँगुरिया।

लैनों दैनों दहेज कौ, दौनों कानूनी अपराध-२
बिटिया दै दई बाबुल नें अब,प्यार तैं जाए साध।
आफत घर भर कूँ न बुलाय,
कबहुँ मति लइयो लाँगुरिया।
दहेज है बहुतई बुरी.....

बेटा-बेटी दौनों अपने बाबुल के अभिमान-२
दुलहिन कूँ ही दहेज मानो, बढ़े तुम्हारी शान।
दहेज के माल पै मति इतराय,
कबहुँ मति लईयो लाँगुरिया-२
लईयो लाँगुरिया, कबहुँ मति लईयो लाँगुरिया।
दहेज है...दहेज है बहुतई बुरी बलाय,
कबहँ मति लईयो लाँगुरिया।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

डॉ. अनीता मुदगल(प्र०अ०)
श्री श्रद्धानंद प्राथमिक
विद्यालय नगर क्षेत्र
मथुरा,जनपद-मथुरा

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

19

**धीरे-धीरे दहेज को मिटाना,**
**इसके आगे बढ़ते जाना।**
**जंग है ये लड़ेंगे अब,**
**कब तक चुप रहेंगे सब।**

**दहेज तो बुराई है,जड़ से मिटाना जरा,**
**सुन रे जहाँ।**
**होती है बेटियों की हत्या, सदा से यहाँ,**
**सुन रे जहाँ।।**
**दहेज तो.....**

**दहेज के नाम पे ठगने वालों,**
**सुन लो तुम ये बतियाँ रे।**
**दण्ड तुम्हें कठोर मिलेगा,**
**याद रखेंगी सदियाँ रे।**
**बातों को समझ लो तुम,**
**अँखियों को खोलो तुम।**
**दहेज तो....**

**तर्ज़-तूने तो पलभर में.....**

**पैसे जोड़ता है वो कैसे,**
**बाप के दिल से पूछो रे।**
**कलेजे के टुकड़े को वो कैसे,**
**खुद से अलग करता रे।**
**हम सबने अब ये ठाना है,**
**दहेज को मिटाना है।।**
**दहेज तो....**

**आकांक्षा मिश्रा**
**प्रा०वि० सिंकन्दरपुर**
**सुरसा, हरदोई**

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

20

### तर्ज़-स्वर्ग से सुन्दर

भारत के नव निर्माताओं कर लो प्रण तुम आज,
शादी के शुभ अवसर पर करो दहेज को त्याग।
छोड़ दो दहेज लेना, छोड़ दो दहेज देना।।

जागो देश के भैया बहिना,जब होइ तुम्हारी शादी,
दहेज को तुम मत लेना इससे होती बर्बादी।
इसको ऐसे काट फेंक दो ज्यों मूली का साग।।
छोड़ दो दहेज.....

इस दहेज दानव ने अगणित, बहनों को है खाया,
जहर पिलाया फाँसी दी और आत्मदाह करवाया।
नौनिहाल जननी हित तड़पे मिले न मात दुलार।।
छोड़ दो दहेज.....

नारी, नारी बनके आरी,सारी बात बिगारी,
पुरूष विवेकहीन होकर के करता अपनी ख्वारी।
थाने जायें मार भी खायें और गिनें जेल सलाख।।
छोड़ दो दहेज.....

अजय विक्रम सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि०मरहिया
जैथरा,एटा

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

21

### तर्ज़-भला किसी का कर न सको तो

जब दुल्हन ही दहेज है तो दहेज लेना बंद करो।
नहीं सताओ लोगों को अपने धन से आनन्द करो।।

दहेज के कारण बेटी क्यों रोज सतायी जाती हैं,
रोज डराई जाती है, कहीं ज़िंदा जलायी जाती है।
मानव होकर दानव बनते कुछ तो मन में शर्म करो।।
जब दुल्हन ही..

योग्य गुणवती बहू घरों में यदि तिल- तिल कर मरती है,
सभ्य पुरुष की आत्मा क्यों फिर भी चीत्कार न करती है।
बहू को बेटी समान समझो इन्हें सताना बंद करो।।
जब दुल्हन ही ..

माताएं भी प्रताड़ना में कम सहयोग न करती हैं,
बहनें भी धमका व चिढ़ाकर माँग दहेज की करती हैं।
औरत ही औरत की दुश्मन क्यों बन जाती मनन करो।
जब दुल्हन ....

**अशोक पाल सिंह चौहान (स**
**प्रा०वि०गांगूपुरा**
**जैथरा,एटा**

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

22

### तर्ज़–आपकी नज़रों ने समझा..

आपकी नजरों ने समझा,दहेज के काबिल मुझे,
ये समय यूँ ही ठहर जा,ब्याह न करना मुझे।
आपकी नजरों ने समझा , दहेज के काबिल मुझे.....

न हमें मंजूर है ,आपका ये फैसला,
रो रही है हर नजर ,कैसे ब्याहें बेटियाँ।
पापा की हर खुशी में,हर खुशी मिलती मुझे,
ये समय यूँ ही ठहर जा ,साथ न जाना मुझे ।
आपकी नजरों ने समझा, दहेज के काबिल मुझे.....

आपका जीवन थी मैं ,मेरा सब कुछ आप थे,
पर दहेज से डरूँ ,मेरे कातिल आप थे।
कोई घरवालों से कह दे,ब्याह न करना मुझे।
आपकी नजरों ने समझा ,दहेज के काबिल मुझे.....

**दहेज एक अभिशाप है...**

छा गई दिल पर मेरे,काल की परछाइयाँ,
हर तरफ लगने लगी हैं,पैसों की जो बोलियाँ।
पैसों से जो मिले खुशियाँ घायल कर देती मुझे।।

आपकी नजरों ने समझा,दहेज के काबिल मुझे,
ये समय यूँ ही ठहर जा,ब्याह न करना मुझे।
आपकी नजरों ने समझा.....

**कृष्ण कुमार (प्र०अ०)**
**प्रा०वि०रामपुर की मड़ैया**
**भाग्यनगर, औरैया**

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

23

### तर्ज़-हमको भी संग लिए जाना....

फइलल दहेज क कुरीतिया,
बिरन कदम आगे बढ़ाय दा हो।
बेटी जनम सुनी पिता के मन थोर भइल,
सिरवा क बोझ देखा बेटी आज मोर भइल।
भइलै दहेज दुश्मनवा,
बिरन बोझ सिर कै उठाय ला हो।।
पूरा जो बेटी के दहेज ना दियाय जाई,
जइते ससुरवा में अगिया लगाय जाई।
होई स्टोप कै बहनवा,
बिरन तुहू समझा करनवा हो।।

जब एहि समाज से दहेज उठि जाई,
माई और बाप के कौनौ दुःख ना सताई।
समाज में बनइहा इजतिया,
बिरन अब लजिया बचाय ला हो।।

देश के जवान भाई कसिला,कमरिया
बिना रे दहेज कै तू करिहा।
आपन शदिया ,इहे बा पूनम क अरजिया
बिरन सुना धइके धियनवा हो।।
फईलल दहेज.....

पूनम श्रीवास्तव (स०अ०)
पू०मा०वि० गुलवा गौरी
बिलरियागंज, आजमगढ़

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

24

तर्ज़-मेरा साजन उस पार है..

बेटी को भी बेटे वाला प्यार दो।
मुझको भी भैया-सा दुलार दो।।
मैया मुझको भी बाहर जाने दो,
भैया सा मुझको पढ़-लिख जाने दो।
मुझको भी भैया-सा अधिकार दो,
मुझको भी तो भैया वाला प्यार दो।।

वो शादी ही क्या जो धन में मुझे तोले,
पाई-पाई बिक जाये तू मुँह से कुछ न बोले।
हाथों में लक्ष्मीबाई वाली तलवार दो,
मुझको भी तो भईया वाला प्यार दो।।

दहेज जो माँगे मेरी शादी में,
उससे बिल्कुल न करूँ शादी मैं।
उसकी तो बस सीधा इन्कार दो।।
मुझको भी भैया-सा..

चूल्हा-चौका कर तुम संग जी लूँगी,
लेकिन दहेज लोभी का साथ न दूँगी।
मुझको भी कुछ करने का अधिकार दो,
बेटी को भी बेटा वाला प्यार दो।।

दीपिका तिवारी (स०अ०)
पू०मा०वि० जमुआ
मडियाहूं, जौनपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

25

तर्ज़ -
पारंम्परिक लोकगीत

न चलाओ कलेजे पे कटरिया,
न जलाओ ससुर जी मुझको
छोड़ दो।

नौ महीने कोख में रखा ,
बीस बरस हाथों में रखा।
अपनी माँ की मैं गुजरिया,
ना जलाओ ससुर जी ..........

अपने बापू की आँख का तारा,
अपने कन्धे से ना मुझे उतारा।
मैं उनके घर की हूँ चिरैया।।
न जलाओ ससुर जी.............

पढ़ी-लिखी हूँ काम करूँगी ,
टीवी,फ्रिज,कूलर सब लूँगी।
भर दूँगी तेरे घर की कुठारिया।।
न जलाओ ससुर जी...........

यह दहेज का दानव कैसा,
जीवन में अभिशाप के जैसा।
लगिरोगे खुद की ही नजरिया।।
न जलाओ ससुर जी...........


गीता शाक्य(इ०प्र०अ०)
प्रा०वि० इलायची पुर
लोनी, गाजियाबाद



शिक्षा का उत्थान,
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

26

### तर्ज-बाबुल की दुआएं लेती ना

ऐ दहेज के दानव! तू सुन ले,
क्या-क्या तूने हैं, विनाश किये।
इक बेटी के जीवन से तूने,
बड़े दर्दनाक खिलवाड़ किये।

खा गया पिता की तू पूँजी सब,
पर तेरी भूख कभी ना मिटी।
माँ ने गहनों की आहुति दी,
फिर भी तेरी तृष्णा ना घटी।
लड़की के कोमल हृदय पर,
कैसे तूने वज्रपात किये।
ऐ दहेज के दानव.....

प्रेम की झूठी आस लिये,
बेटी जाती ससुराल में।
करती दिन-रात जतन पूरे,
खुश रहती वो हर हाल में।
जब अत्याचारों की अति हुई,
लाचार ने अपने प्राण दिये।
ऐ दहेज के दानव.....

दीप्ति खुराना (स०अ०)
कम्पोजिट वि० पंडिया
कुंदरकी,मुरादाबाद

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

27

### तर्ज-अरे द्वारपालों ! कन्हैया से...

जाने क्यों लोग ये दहेज मांगते हैं?
बेटियों की शादी करना हर पिता को।
जाने क्यों लोग ये दहेज मांगते हैं?
बेटियाँ हमारी हैं, बेटियाँ तुम्हारी भी।
इस बात को नहीं कभी वो मानते हैं ॥

अच्छा तो होता, यदि भीख मांग लेते।
पापों की गठरी ये सीख जान लेते।
बेटों को बेचना ही ठाने हैं मन में।
दुल्हन ही दहेज नहीं पहचानते हैं॥

बहु के बिना क्या ससुर कहलाओगे?
खुद अपने लाडले को निष्ठुर बनाओगे।
सुनकर अत्याचार मेरे, रुह कांपते हैं।
जाने क्यों लोग ये दहेज मांगते हैं?

इसी से ही उनका, क्या होगा गुजारा?
धन और धरम बेच देते हैं सारा।
मधुर कैसे होंगे फिर रिश्ते ये हमारा?
सोचते हमेशा हम, अमन चाहते हैं॥

रचना– रवीन्द्र शर्मा(शिक्षक)
पूर्व मा० वि० बसवार,
परतावल, जनपद-महराजगंज,

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

28

### तर्ज़ - बाहर से कोई अन्दर न आ सके

दहेज लेकर कोई दुल्हन न ला सके,
दुल्हन से कोई दहेज न माँग सके।
सोचो कभी ऐसा हो तो क्या हो-2
दहेज के सारे रास्ते बंद हों,
और शादी हो जाये।
इस दुनिया की भूल-भुलैया में,
जीवन कट जाये।।

बेटी को जो लूटे लुटेरा,
उसके अरमानों पे पानी जाए फेरा-2
शादी हो जाना भी हो मुश्किल,
बिन शादी के रहना भी हो मुश्किल।
सोचो कभी ऐसा हो तो क्या हो-2
दहेज के सारे रास्ते बंद हों,
और शादी हो जाये ।।

दहेज को जो लेने जा रहे हो,
जग उनको भूल जाये।
दहेज पे जो दहेज ला रहे हो,
उनकी नैया डूब जाये।
सोचो कभी ऐसा हो तो क्या हो-2
दहेज के सारे रास्ते बंद हों,
और शादी हो जाये।।

चन्द्र शेखर चन्द्रा(प्र०अ०)
प्रा०वि०जाफ़राबाद
हाथरस केआरपी मुरसान,
हाथरस

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

29

### तर्ज़-लोकगीत

रे बाबुल ,कहाँ से लहियों दहेज रे,
हम रहियें कुँवारी ।

कहाँ से लइयों कार और टी०वी०,
कैसे दे पइयों कैश रे,
हम रहियें.....

किन-किन के पग पगड़ी रखियों,
कैसे कर्जा बहोरियों।
हम रहियें.....

जो घर बेचियों तो कहाँ सब रहियें,
कैसे पलेगों परिवार रे।
हम रहियें.....

हम का पढ़न देउ और तुम आगे,
नौकरी करन हम जाएँगी।
हम रहियें.....

लालच को कोई पार नहीं है,
जारि देई हमें आगि रे।
हम रहियें.....

कहाँ से लहियों.....

सुधा(स०अ०)
प्रा०वि० पूर्वी जवाहर नगर
गाजियाबाद, गाजियाबाद

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

30

तर्ज-लोकगीत

दहेज रीति नहीं अभिशाप है -२
संवेदनहीनता और लालच की-२
यह पहचान है।
मोल भाव है ये औरत के
सपनों का-२
नारी जाति का यह-२,
क्या सामाजिक व्यापार नहीं है?

गूँजें शहनाई इस खातिर-२
पिता ने मोल लगा-२,
एक दूल्हा खरीद लिया है।

सौदे के इस बाजार में -२
पैसे की खातिर-२,
बिक रहा इंसान है।
दहेज दानवों की फिर भी-२
थमती यहीं नहीं -२,
विनाश लीला है।
बहुएं जलाई जा रहीं-२
कानून और समाज से-२,
वे माँगती न्याय हैं।

आत्महत्या करने को विवश-२
तुम्हारी ही तरह-२,
यह बेटियाँ भी इंसान हैं।
इस दहेज प्रथा को मिटाने का-२
ले संकल्प-२,
अब आगे कदम बढ़ाना है।

रचना- गीता तिवारी (स०अ०)
पूर्व मा०वि० जंगल अयोध्या प्रसाद
खोराबार, गोरखपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

31

### तर्ज़-राहों में उनसे मुलाकात हो गई

दहेज आज के नए रंग में देखो ढल गई,
पुरानी प्रथा जो थी आज नई बन गई।
कल ही नहीं बेटी,आज भी जल गई।।
दहेज आज के .....

पहले भी दहेज खूब चलता था,
आदमी को तब ये शगुन लगता था।
जितनी ऊँची नौकरी लड़के को मिल गई,
उतनी ऊँची बोली उनकी है बढ़ गयी।
शादी अब तो सौदा-सी बन गयी,
बेटियों के बाप को खड़े ही निगल गयी।।

कहते हैं दहेज को कैंसर की तरह,
पर मिली नहीं इसकी दवा कैंसर की तरह।
दहेज लाइलाज़ है कुछ रोगों की तरह,
फैली है जंगल में लगी आग की तरह।।
दहेज आज के .....

बेटियाँ आज चाहे जितनी भी बढ़ गयी,
फिर भी दहेज के चंगुल में फँस गयी।
कल ही नहीं बेटी आज भी जल गयी।।
दहेज आज के .....

पूजा यादव (स०अ०)
प्रा०वि०सत्यबलपुर
हरहुआ, वाराणसी

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

32

तर्ज़-कर चले हम फ़िदा जान-ओ- तन साथियों

बन दुल्हन हैं चले,माँ-पिता आज हम,
दहेज पूरा करनें का करो कुछ जतन।

घर जमीं बिक गये, कर्ज के बोझ में,
फर्ज पूरा हुआ न अभी आज तक,
दहेज की आग में जल गई बेटियाँ,
चिता उनकी अभी तक न ठंडी हुई।
आज उनकी चिता पर नहीं है कफन।।
दहेज पूरा करने का.....

दहेज एक अभिशाप है..

नन्हीं मेरी कली, दहेज की बलि चढ़,
मांग उनकी हमेशा से बढ़ती गई।
कितनें जुल्मों-सितम सहे गई हँस के दम,
मांगने की खबर तक न मिलती है अब।
ज़िन्दा रखते चिता में मेरा आज तन।।
दहेज पूरा करने का.....

रीता गुप्ता(स०अ०)
पूर्व मा०वि० कलेक्टर पुरवा
महुआ,बांदा

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

33

### तर्ज-एक प्यार का नगमा है...

एक नन्हीं परी आई है,लगे माँ की परछाई है।
खुशियों की लहर,चहुँ ओर छाई है।।

रिश्ता भी होना है,सपनों को बुनना है।
बिटिया के चेहरे पर,खुशियों को सजाना है।
देखते ही देखते आखिर,घड़ी वो आई है।
खुशियों की लहर.....

विवाह भी करना है,रुपया-पैसा जोड़ना है।
बेटी होने का उसको,मोल चुकाना है।
रिश्तों के बाज़ार में,बेटी बिकती आई है।
खुशियों की लहर....

बिटिया खुशी घर की,पढ़ी-लिखी काबिल है।
लगाये जो कीमत उसकी,इंसान वो जाहिल है।
बंद हो अब ये प्रथा,नौबत ऐसी आई है।
खुशियों की लहर.....

रचना- पूनम तोमर(स०अ०)
प्रा० वि० बेहटा चौहान
आलमपुर जाफराबाद,बरेली

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

34

### तर्ज-पारम्परिक भोजपुरी गीत

पापी दहेजवा के बाऊर करेजवा।
केतनन क लुटलस श्रृंगार।
ए बाबू कईसन इ रीतियाँ तोहार।।
ए कोखिया में सबै जनमावै।
बाबा अंगनवा धीया सुख पावे।।
चुटकी सिंदुरवा मिले बड़ा महंगा,
बिक जाला घरवा दुआर।
ए बाबू कईसन इ रीतिया तोहार।।1।।

नेहियां के पलना में पालै लूँ माई।
मनवां क गठरी जुटावे ब धोई।।
दमवां क लोभी दहेजवा के चलते।
गले विपतियाँ हजार।
ए बाबू कईसन इ रीतियाँ तोहार।।2।।

कहिया ले लगिहै केहकै अहियाँ।
दानव दहेजवा के जइहैं हो कहिया।
भइया से बहिनी के नाता न बिछुड़े,
साथ तू दीहा हमार।
ए बाबू कइसन इ रीतियाँ तोहार।।।3।।
पापी दहेजवा...

रचना-प्रीति सिंह (स.अ)
प्रा.वि.परतापी पुर,गाजीपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## दहेज जागरूकता गीत

35

### तर्ज-गढ़वाली दहेस रागस

दान क नौ फर कन लूट मचैईं च
बेट्युं ब्वार्युं दहेज कि खैरि अंई च

भैर भैर कु लाड जताणा छन
भितर प्याट कूटमकूट मचैईं च।

नौनाल्युं पढ़े, लिखै लैक बणावा
दुन्यां म सबसे बड़ि ई कमैई च।

पाई पाई कि बुबा जुटाणु रुप्या
वूं फर मंग्त्या गिच्युं लोलु चुवैंई च ।

दहेज रागस बणि खाणु रिश्तों थै
मनख्यात खौल्येकि भुयां अईं च।

कदगै कानून बणावा तुम लोभ्युं कु
बेटि ब्वारि यूंकि लालसा ल सतैंई च।

आज कि बेटि ब्वारि लाचार नि छन
अपरा खुट्टों खड़ि हूण हि कमैंई च।

रचना-प्रेमलता सजवाण(स.अ)
रा.पू.मा.वि.झुटाया
कालसी,देहरादून,उत्तराखंड,

# रचनाकारों की सूची

1-गुलशन जहाँ, औरैया
2-ऊषा देवी,फतेहपुर
3-मन्नू यादव,मिर्जापुर
4-प्रभुनाथ गुप्त,महाराज गंज
5-प्रियदर्शिनी तिवारी, कौशांबी
6-रेनू रानी, बुलन्दशहर
7- अवधेश सिंह, फर्रुखाबाद
8-निशा देवी, बाँदा
9-ममताप्रीति श्रीवास्तव,गोरखपुर
10-विजय कुमार सिंह वाराणसी
11-निहारिका शर्मा मुरादाबाद
12-प्रतिभा पटेल, चित्रकूट
13-अरुण कुमार यादव,जौनपुर
14-मुक्ता सिंह फतेहपुर
15-दीक्षा गुप्ता फर्रुखाबाद
16-अंजना श्रीवास्तव, चित्रकूट
17-शालिनी सिंह कौशाम्बी
18-अनीता मुद्गल,मथुरा
19-आकांक्षा मिश्रा हरदोई
20-अजय विक्रम सिंह,एटा
21-अशोक पाल सिंह चौहान,एटा
22-कृष्ण कुमार, औरैया
23-पूनम श्रीवास्तव, आजमगढ़
24-दीपिका तिवारी, जौनपुर
25-गीता शाक्य, गाजियाबाद
26-दीप्ति खुराना,मुरादाबाद
27-रवींद्र शर्मा,महराजगंज
28-चन्द्र शेखर चन्द्रा, हाथरस
29-सुधा, गाजियाबाद
30-गीता तिवारी,गोरखपुर
31-पूजा यादव, वाराणसी
32- रीता गुप्ता,बाँदा
33-पूनम तोमर,बरेली
34-प्रीति सिंह,गाजीपुर
35-प्रेमलता सजवाण,उत्तराखंड

## संकलन कार्य

## काव्यांजलि टीम

## मिशन शिक्षण संवाद